जानवर से जूतों तक

अली मिटगुत्स्चो

जानवर से जूतों तक

जानवर से जूतों तक

यहाँ एक घास के मैदान में दो जानवर हैं.

उनकी भूरी और सफेद खाले हैं.
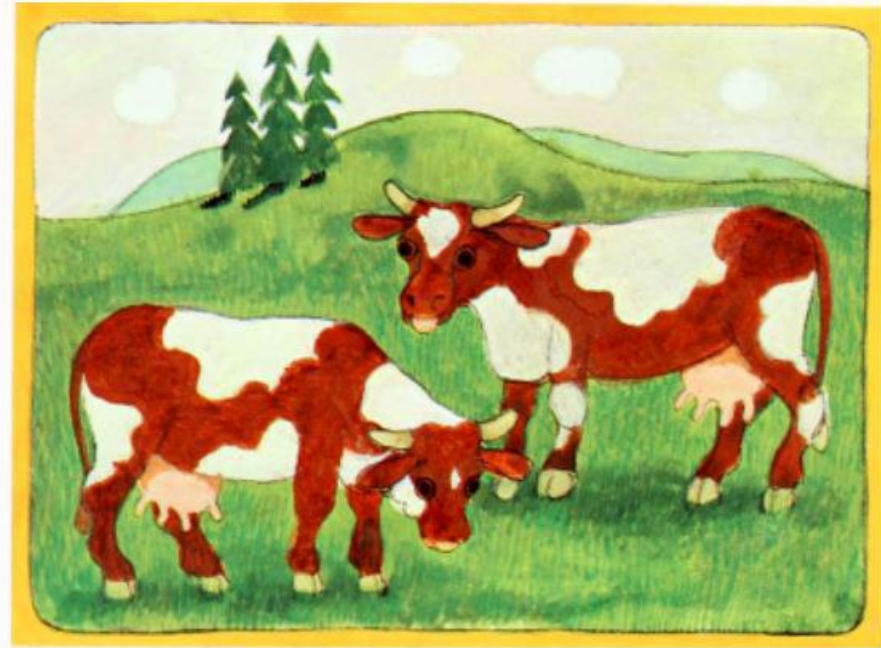
जब किसी जानवर को मारा जाता है,
तो हमें मांस और खाल मिलती है.

मांस, कुछ लोग खाते हैं.

लेकिन खाल का क्या होता है?

खाल को एक चमड़े के कारखाने में भेजा जाता है.

वहां उसे पानी और नमक से भरे एक ड्रम में भिगोया जाता है.

ड्रम गोल-गोल घूमता रहता है.

नमक के पानी में भिगोने से खाल को नरम करने में मदद मिलती है.

इससे खाल पर लगे बाल भी ढीले हो जाते हैं.

कई दिनों के बाद चर्मकार, ड्रम में से खाल निकालता है.

वो बालों को खुरचता है.

फिर वो खाल को वापस ड्रम में दुबारा भिगोने के लिए रखता है
और बाद में उसे दुबारा खुरचता है.

खाल को दूसरी बार खुरचने के बाद, उसे सूखने के लिए एक फ्रेम पर फैला दिया जाता है.

जब वो सूख जाती है, तब खाल नरम, चिकने चमड़े की तरह महसूस होती है.

फिर कुछ चमड़ों को सुंदर रंगों में रंगा जाता है.

कुछ चमड़ों को उनके प्राकृतिक रंग में ही रखा जाता है.

चमड़े के बड़े टुकड़ों को अब जूते बनाने के एक कारखाने में भेजा जाता है.

कारखाने में एक धारदार कटर उन्हें जूते बनाने के लिए आवश्यक आकार के टुकड़ों में काटता है.

कटर, चमड़े पर अलग-अलग आकार के पैटर्न्स (नमूने) बनाता है.

फिर वो उनके आसपास ट्रेस करता है.

उसके बाद वो चमड़े से अलग-अलग आकार के टुकड़े काटता है.

बाद में उन टुकड़ों को एक सिलाई मशीन पर
एक-साथ सिला जाता है.

अब वे जूते की तरह दिखने लगते हैं.

जूते का यह भाग, मुख्य भाग, "अपर" कहलाता है.

इसके बाद जूते का निचले भाग या "तल्ले" को "अपर" से जोड़ा जाता है.

ऊपरी हिस्से यानि "अपर" को एक पैर के आकार के लकड़ी के फर्मे के ऊपर रखा जाता है.

इस लकड़ी के फर्मे को "शू-ट्री" कहा जाता है.

भीतर का तल्ला, जो जूते के अंदर जाता है को पहले से ही "शू-ट्री" के नीचे जोड़ा जाता है.

अब इसे "अपर" के साथ कीलों से जोड़ा जाता है.

उसके बाद बाकी "तल्ले" को कीलों और गोंद से चिपकाया जाता है.

उसके बाद एड़ी, जोड़ी जाती है.
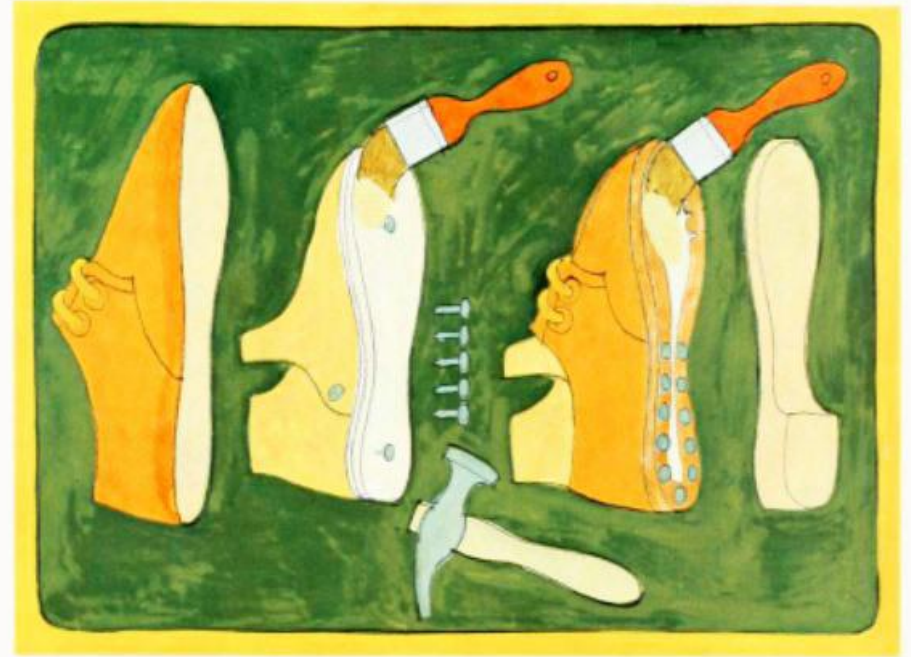
कारखाने से तैयार जूते बेचने के लिए दुकानों में भेजे जाते हैं.

कुछ जूते ऊँची एड़ी वाले होते हैं,

कुछ जूते नीची एड़ी वाले होते हैं,

कुछ जूते नुकीली उंगलियों के लिए होते हैं,

कुछ जूते गोल उंगलियों के लिए होते हैं,

आपको कौन से रंग के जूते पसंद हैं?

आपको किस स्टाइल के जूते अच्छे लगते है?

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है कि
आपके नए जूते आपके पैरों में ठीक से फिट हों?

अंत